SCOPE organises Public Sector Day celebrations

Reverberating the monumental role of Public Sector Enterprises (PSEs) in the country's economy, Standing Conference of Public Enterprises (SCOPE) organized Public Sector Day celebrations. Chief Executives of PSEs and SCOPE Executive Board Members including Gurdeep Singh, CMD, NTPC; Soma Mondal, Chairman, SAIL; S.M. Vaidya, CMD, IOCL; Sandeep Kumar Gupta, Chairman, SCOPE & CMD, GAIL; Dr. Nalin Shinghal, CMD, BHEL; R.S. Dhillon, CMD, PFC; P.K. Gupta, CMD, NBCC; Atul Sobti, DG, SCOPE, and many other Chief Executives of various PSEs were present. The event was also graced by Shri Lucas L. Kamsuan, Joint Secretary, DPE & senior officials of Department of Public Enterprises, ILO and GIZ, Germany.

The Statesman
PEOPLE'S PARLIAMENT. ALWAYS IN SESSION
Sun, 30 April 2023
https://epaper.thestates

DAINIK JAGRAN, Delhi, 30.4.2023
Page No. 8, Size:(5.37)cms X (7.99)cms.

एलएनजी से लंबी दूरी के ट्रक चलाने को लेकर बनेगी नीति

- शुरुआत में लंबी दूरी के मार्गों का किया जाएगा चयन
- इस पहल से नेट जीरो का लक्ष्य पाने में मदद मिलेगी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: देश की इकोनमी में गैस की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार सीधे एलएनजी से चलने वाले ट्रकों को मंजूरी देने की योजना बना रही है। इसके लिए पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय अन्य मंत्रालयों के साथ मिलकर एक विस्तृत नीति का प्रारूप तैयार कर रहा है। इसके लिए शुरुआत में लंबी दूरी के उन मार्गों का चयन किया जाएगा, जहां इन ट्रकों को चलाया जा सके। चूंकि इसके लिए एलएनजी फिलिंग की जरूरत होगी तो इन मार्गों पर ही फिलिंग स्टेशन स्थापित करने की इजाजत निजी कंपनियों को दी जाएगी। मंत्रालय से जुड़े सूत्रों ने बताया कि एक कैबिनेट तैयार किया जा रहा है।

तीन-चार वर्ष पहले सीएनजी चालित लंबी दूरी के ट्रकों के परिचालन की शुरुआत करने को लेकर भी काफी चर्चा हुई थी। सरकारी कंपनी गेल की तरफ से लगातार इस पर आश्वासन मिलने के बावजूद जमीनी तौर पर खास प्रगति नहीं हो पाई है। एलएनजी की योजना से जुड़े अधिकारी बताते हैं कि वर्ष 2070 तक देश को नेट जीरो बनाने के लक्ष्य की तरफ बढ़ने के लिए हमें गैस आधारित यातायात व्यवस्था की मदद लेनी होगी।

एलएनजी डीजल ट्रकों के मुकाबले 30 प्रतिशत कम कार्बन उत्सर्जित करता है, जबकि इतना ही कम ध्वनि प्रदूषण होता है। प्रोत्साहन संबंधी सवाल पर सूत्रों ने कहा कि यह संभव है क्योंकि सीधे एलएनजी को वाहनों में इस्तेमाल करने से ही काफी बचत होगी। भारत में कई एलएनजी टर्मिनल बनाने की योजना है जिससे यह भी सुनिश्चित होगा कि इसकी किल्लत नहीं होगी।